UNIVERSITY OF CAMBRIDGE INTERNATIONAL EXAMINATIONS
General Certificate of Education Advanced Level

HINDI **9687/02**

Paper 2 Reading and Writing **October/November 2010**

1 hour 45 minutes

Additional Materials: Answer Booklet/Paper

1953888978

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

If you have been given an Answer Booklet, follow the instructions on the front cover of the Booklet.
Write your Centre number, candidate number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen.
Do not use staples, paper clips, highlighters, glue or correction fluid.

Answer **all** questions.
Write your answers in **Hindi** on the separate answer paper provided.
Dictionaries are **not** permitted.
You should keep to any word limits given in the questions.

At the end of the examination, fasten all your work securely together.
The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.

पहले नीचे दिए निर्देश पढ़िए

यदि आपको उत्तर-पुस्तिका दी जाती है तो उसके पहले पृष्ठ के निर्देशों का पालन करें।

परीक्षा के लिए आप जो भी काम दें उस पर केन्द्र संख्या और अपना नाम लिखें।

गहरी नीली या काली स्याही वाली कलम से लिखें।

स्टेप्लर, पेपर क्लिप, हाइलाइटर, गोंद या करेक्शन-फ़्लुइड का प्रयोग न करें।

सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

अलग से दी गई उत्तर-पुस्तिका में अपने उत्तर **हिन्दी** में लिखें।

उत्तर, प्रश्नों में दिए गए शब्दों की संख्या तक ही सीमित रखें।

शब्दकोश का प्रयोग मना है।

परीक्षा के अंत में अपना सब काम सुरक्षित रूप से एक साथ बाँध दें।

प्रत्येक प्रश्न या प्रश्न-अंश के अंत में उसके निर्धारित अंक कोष्ठकों [ ] में दिए गए हैं।

This document consists of **5** printed pages and **3** blank pages.

© UCLES 2010

UNIVERSITY of CAMBRIDGE International Examinations

WWW.XTREMEPAPERS.NET

भाग 1

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भारतीय संस्कृति

एक साधारण पर्यटक को भारतवर्ष के एक छोर से दूसरे छोर तक इतनी विभिन्नताएं दृष्टिगोचर होंगीं कि ऐसा प्रतीत होगा कि यह एक देश नहीं परन्तु अनगिनत देशों का एक समूह अथवा महाद्वीप है। यदि एक ओर हिमालय की बर्फ़ीली शीत ऋतु है तो दूसरी ओर सामुद्रिक समशीतोष्ण जलवायु। यदि आसाम की शीतल पहाड़ियों में प्रतिवर्ष सात सौ पचास सेंटीमीटर से भी अधिक वर्षा होती है तो जैसलमर की तप्त भूमि पर प्रायः दस सेंटीमीटर भी नहीं। जलवायु का प्रभाव मनुष्य के जीवन-यापन,खान-पान,रीति-रिवाज,वेश-भूषा पर कैसे पड़ता है, इसका ज्वलंत प्रमाण भारत के प्रांतो में बसने वाले निवासियों द्वारा ज्ञात होता है।

यहाँ न केवल अनेक भाषाएं व बोलियाँ हैं बल्कि सम्पूर्ण जगत के अलग-अलग धार्मिक विश्वासों का निवास भी है तथा इनकी गणना भी सुगम नहीं। बाह्यरूप से भारत विभिन्नताओं का अद्भुत देश दिखाई देता है परन्तु वास्तव में इन विषमताओं की तह में एक ऐसी समता है जो सभी अनेकताओं को ठीक उसी भाँति एक सूत्र में पिरो कर एक बना लेती है जैसे एक रेशमी धागा तरह-तरह की मणियों को पिरो कर एक हार बना देता है। इसका एक-एक रत्न न केवल दूसरे रत्नों की मनोहरता से स्वयं मोहित होता है अपितु अपनी शोभा से दूसरों को भी सुशोभित करता है और एक लड़ी के रूप में मानवजन को आकर्षित करता है।

सहस्त्र वर्षों से अपना अस्तित्व स्थापित करते हुए अनेकानेक जल-प्रपातों का प्रवाह, प्रगाढ़ समुद्र में ऐसे सम्मिश्रित हो जाता है जैसे कि दूध में शक्कर। इतना ही नहीं नदियों की धाराएं भी,अनेक प्रदेशों में भिन्न-भिन्न तरह की वनस्पति व खनिज उत्पन्न करते हुए, अपने शुद्ध व शीतल जल का उद्गम विभिन्न रखते हुए भी संगम में एक हो जाती हैं।

प्रकृति-जन्य और मानव-कृत विपदाओं के पड़ने पर जहाँ विश्व की अनेक जातियाँ मिट गयीं,वहाँ उन अवस्थाओं में भारतवासी न केवल जीवित ही रहे वरन् अपनी सृजनात्मक शक्ति को बढ़ाते हुए, आध्यात्मिक और बौद्धिक गरिमा को उन्नत करने में सफल भी हो सके। भारतीय निजी चेतना एक ऐसे सामूहिक नैतिक आधार पर आश्रित है जो पर्वतों से भी मजबूत, सागरों से भी गहरी तथा आकाश से भी अधिक व्यापक है।

© UCLES 2010

WWW.XTREMEPAPERS.NET

1 नीचे दी गई प्रत्येक परिभाषा के लिए उपरोक्त गद्यांश में लिखित उन शब्दों या उक्तियों को लिखिए जिनसे उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए।

उदाहरण : सबूत (para. 1)

उत्तर : प्रमाण

(a) यात्री (para. 1) [1]

(b) जीता-जागता (para. 1) [1]

(c) विचित्र (para. 2) [1]

(d) सत्ता (para. 3) [1]

(e) विस्तृत (para. 4) [1]

[पूर्णांक: 5]

2 निम्नलिखित प्रत्येक शब्द या उक्ति का प्रयोग करते हुए अपने शब्दों में ऐसे वाक्य बनाइए जिससे उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए।

उदाहरण : खान-पान (para. 1)

उत्तर : हमारे संतुलित खान-पान में हरी सब्ज़ी और फल की मात्रा अधिक होनी चाहिए।

(a) जीवन-यापन (para. 1) [1]

(b) गणना (para. 2) [1]

(c) दूध में शक्कर (para. 3) [1]

(d) बौद्धिक (para. 4) [1]

(e) आश्रित (para. 4) [1]

[पूर्णांक: 5]

3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए। गद्यांश के वाक्यों की नकल न करें।
(प्रत्येक प्रश्न के अन्त में अंकों की संख्या दी गई है। इसके अतिरिक्त आपके उत्तरों की भाषा और शैली के लिए 5 अंक निर्धारित किए गए हैं।) [पूर्णांक: 15+5=20]

(a) आसाम और जैसलमर की जलवायु का अन्तर स्पष्ट कीजिए? [2]

(b) उपरोक्त गद्यांश के अनुसार मनुष्यजन पर पड़ रहे जलवायु के कोई दो प्रभाव लिखिए ? [2]

(c) दूसरे अनुच्छेद में भारत की तुलना एक हार से कैसे की गई है ? इसका स्पष्टीकरण कीजिए। [4]

(d) तीसरे अनुच्छेद में विभिन्न नदियों के वर्णित दो लाभों का वर्णन कीजिए ? [2]

(e) भारतवासियों पर कौन सी दो विपदाएँ पड़ीं और इनका प्रभाव तीन दिशाओं में कैसे दिखाई दिया? [5]

WWW.XTREMEPAPERS.NET

भाग 2

अब इस द्वितीय गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए।

भारतीय एकरूपता

जहाँ एक ओर सभ्यता मात्र भौतिक तथा अस्थायी होती है वहाँ किसी भी देश की संस्कृति समाज और राष्ट्र की नैतिक,वैचारिक,धार्मिक,आध्यात्मिक,साहित्यिक,वैज्ञानिक एवं कलात्मक परिमाणों का प्रतिबिम्ब होती है। दिनकर के अनुसार 'संस्कृति वह वस्तु है जो सम्पूर्ण जीवन में व्याप्त है तथा जिसकी रचना और विकास में कई सदियों के अनुभवों का हाथ होता है'।

भारतीय भाषाओं पर संस्कृत भाषा का प्रभाव होने के कारण बहुत सी प्रांतीय भाषाओं में भी एकरूपता पाई जाती है। इतना ही नहीं त्रिभाषा-सूत्र के अंतर्गत शिक्षण-संस्थाओं में छात्रों को हिन्दी राज्यभाषा के रूप में,अंग्रेजी सम्पर्कभाषा के रूप में तथा विविध प्रांतों के अनुसार एक प्रादेशिकभाषा भी सिखाई जाती है। साहित्य की रचना में सम्पूर्ण देश का योगदान पाया जाता है।

भारतवर्ष भौगोलिक दृष्टि से एक इकाई का निर्माण करता है। गंगा, यमुना, कृष्णा, कावेरी आदि नदियों का सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए समान महत्त्व है। देश की प्राकृतिक सीमाओं ने अन्य देशों से केवल मात्र इसे पृथक ही किया है और यहाँ के निवासियों के हृदय में एकता व जन्मभूमि के प्रति अगाध प्रेम उत्पन्न किया है। हाथ कंगन को आरसी क्या ? यहाँ तक कि स्थायी रूप से बस गए आक्रमणकारियों ने भी भारतीयता से प्रभावित होकर समन्वित संस्कृति, भाषा एवं सामान्य इतिहास का निर्माण किया। भारत के तीर्थ-स्थल देश के चारों कोनों में हैं तथा देश में धार्मिक एवं सांस्कृतिक एकता के प्रतीक हैं। शताब्दियों से विभिन्न धर्मावलम्बी धार्मिक समन्वय तथा सौहार्द प्रदर्शित करते रहे हैं क्योंकि भारतीय संस्कृति के अंतर्निहित हिंदू,जैन,बौद्ध,मुस्लिम,इसाई, पारसी,यहूदी आदि अन्य आधुनिक विचारों को समन्वित करने की क्षमता है।

भारतीय समाज में वर्णों और जातियों का बाहुल्य विद्यमान है। यह ठीक है कि प्रजातीय अनेकता की दृष्टि से भारत प्रजातियों का एक संग्रहालय है। यद्यपि उत्तरी भारत में आर्य प्रजाति का और दक्षिण भारत में द्रविड़ प्रजाति का बाहुल्य है तथापि इनमें संघर्ष की अपेक्षा सद्भाव व सहयोग देखने में आता है। राजनैतिक दृष्टि से भी सभी दलों की, भारतीय संविधान में आस्था व राष्ट्र की एकता में अटूट श्रद्धा है तथा इनका आदर्श कश्मीर से कन्याकुमारी तक अभिन्न भारत की रक्षा है। भारतीय संविधान के प्रति, राष्ट्रीयगान व राष्ट्रीयध्वज के प्रति समस्त दलों की निष्ठा राजनैतिक एकता की रचना करती है।

© UCLES 2010

WWW.XTREMEPAPERS.NET

4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए। गद्यांश के वाक्यों की नकल न करें।
(प्रत्येक प्रश्न के अन्त में अंकों की संख्या दी गई है। इसके अतिरिक्त आपके उत्तरों की भाषा और शैली के लिए 5 अंक निर्धारित किए गए हैं।) [पूर्णांक: 15+5=20]

(a) लेखक के अनुसार सभ्यता और संस्कृति में क्या अन्तर है ? कोई चार अन्तर लिखिए। [4]

(b) भारत ने बहु-भाषाई प्रचुरता को कैसे अपनाया ? [3]

(c) भारतीय एकता किन तीन क्षेत्रों में दिखाई देती है ? [3]

(d) ऊपरलिखित गद्यांश के अनुसार भारतीय संस्कृति की महानता कैसे सिद्ध होती है ? [2]

(e) गद्यांश में लिखित भारतीय राजनीतिक दलों की किन्हीं तीन निष्ठाओं का वर्णन करें। [3]

[पूर्णांक: 20]

5 (a) उपरोक्त दोनों गद्यांश भारतवर्ष से सम्बन्धित हैं। 'विभिन्नता में समानता' के उल्लेख पर प्रकाश डालिए। [10]

(b) 'सरकार का दायित्व है कि वह सहनशील समाज का निर्माण करे' अपने विचार लिखिए। [5]

इन दोनों प्रश्नों के उत्तर 140 शब्दों की सीमा तक ही रखिए।

[भाषा और शैली: 5]

[पूर्णांक: 20]

© UCLES 2010

WWW.XTREMEPAPERS.NET

BLANK PAGE

© UCLES 2010

WWW.XTREMEPAPERS.NET

BLANK PAGE

© UCLES 2010

WWW.XTREMEPAPERS.NET

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

University of Cambridge International Examinations is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is itself a department of the University of Cambridge.

WWW.XTREMEPAPERS.NET